



**Indraprastha College for Women
University of Delhi**

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A. Programme
Paper Title:	DSC-1: Sanskrit Grammar
Unique Paper Code:	2132201101
Semester:	I
Faculty:	Dr.Alok Kumar Jha
Year:	2026-27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
Unit	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
III	विभक्ति की संकल्पना एवं उसके अर्थ को समझना	1	विभक्त्यर्थ-प्रकरण का परिचय — विभक्ति का स्वरूप, विभक्ति और कारक का संबंध, विभक्तियों का सामान्य परिचय
III	विभक्तियों के मूल अर्थों को समझना	2	प्रथमा विभक्ति — कर्ता, प्रातिपदिकार्थ तथा प्रथमा के प्रमुख प्रयोग
III	द्वितीया विभक्ति के प्रयोग को समझना	3	द्वितीया विभक्ति — कर्म, ईप्सिततम कर्म तथा द्वितीया के प्रमुख प्रयोग
III	तृतीया विभक्ति के विभिन्न अर्थों को समझना	4	तृतीया विभक्ति — करण, कर्तृ, सहार्थ तथा तृतीया के प्रमुख प्रयोग
III	चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग समझना	5	चतुर्थी विभक्ति — सम्प्रदान, प्रयोजन तथा चतुर्थी के प्रमुख प्रयोग
III	पंचमी विभक्ति के अर्थ एवं प्रयोग को समझना	6	पंचमी विभक्ति — अपादान, पृथक्त्व, भय/विराम आदि के प्रमुख प्रयोग
III	षष्ठी विभक्ति के संबंधात्मक प्रयोग को समझना	7	षष्ठी विभक्ति — सम्बन्ध, स्वत्व तथा अन्य प्रमुख प्रयोग
III	सप्तमी विभक्ति के अधिकरणात्मक प्रयोग को समझना	8	सप्तमी विभक्ति — अधिकरण, काल, विषय तथा सप्तमी के प्रमुख प्रयोग

III	संबोधन के स्वरूप को समझना	9	संबोधन/सम्बोधन-प्रयोग — संबोधन का स्वरूप एवं प्रयोग; प्रथमा से भिन्नता
III	विभक्तियों के विभिन्न अर्थों में अंतर स्पष्ट करना	10	विभक्तियों का तुलनात्मक अध्ययन — करण-अपादान, सम्प्रदान-कर्म तथा सम्बन्ध-अधिकरण आदि के प्रयोगों में भेद
III	व्यावहारिक रूप से विभक्ति-प्रयोग करना	11	विभक्ति-प्रयोग का अभ्यास — संस्कृत वाक्यों में उचित विभक्ति का चयन, उदाहरण एवं अभ्यास
III	विभक्ति-प्रयोग का व्यावहारिक अभ्यास करना	12	विभक्ति-प्रयोग अभ्यास — विभिन्न संस्कृत वाक्यों में उचित विभक्ति का चयन एवं प्रयोग
III	विभक्तियों के अर्थ एवं प्रयोग का विश्लेषण करना	13	विभक्त्यर्थ का अनुप्रयोग — उदाहरणों के माध्यम से विभक्तियों के विविध अर्थों की पहचान एवं विश्लेषण

Unit	Contents/Syllabus
I	Laghusiddhāntakaumudī: Sañjñā Prakaraṇa — Māheśvara Sūtra, Pratyāhāra, Ucchāraṇa-sthāna, Different types of Sound
II	Laghusiddhāntakaumudī: Sandhi Prakaraṇa — ac sandhi: yaṇ, guṇa, dīrgha, ayādi, vṛddhi and pūrvarūpa; hal sandhi: ścutva, ṣṭutva, anunāsikatva, chhatva and jaṣṭva; visarga sandhi: utva, lopa, satva and rutva
III	Laghusiddhāntakaumudī: Vibhaktyartha Prakaraṇa
S. No.	Name of Authors/Books/Publishers
1	धरानन्द शास्त्री — लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली

2	भीमसेन शास्त्री — लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या (भाग-1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
3	चारुदेव शास्त्री — व्याकरण चन्द्रोदय (भाग-1, 2 एवं 3), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4	सत्यपाल सिंह — लघुसिद्धान्तकौमुदी: प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली

	Paper Components		
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)	Practical (P)
4	3	1	0
Assessment Scheme			
S.No.	Component	Marking Scheme	Total Marks
1	Internal Assessment - Assignment - Class Test - Attendance		30
		12	
		12	
		6	
2.	Continuous Assessment (Tutorial) - Activity 1 - Activity 2 - Attendance		40
		15	
		20	
		5	
3.	Practical - Continuous Assessment - End Term Written/Practical Exam - Viva	NA	

4.	End Semester Examination	90
----	--------------------------	----